सूर्य (Sun) और सौर परिवार

→ सूर्य एक तारा है
→ इसका जन्म 4.5 अरब वर्ष पहले हुआ
→ इसका व्यास 1392000 km है
→ इसका निर्माण H, He तथा अन्य गैसों से हुआ है जो क्रमशः 70.6%, 27.4% तथा 2% है
→ सूर्य का प्रकाश पृथ्वी पर 8 मिनट में आता है
→ यह अपने अक्ष पर पश्चिम से पूर्व की ओर घूर्णन करता है
→ सूर्य आकाश गंगा का परिक्रमण 25 करोड़ वर्ष में पूरा करता है इसे ब्रह्मांड वर्ष कहते हैं

सूर्य की संरचना –

(i) केन्द्र – नाभिकीय संलयन होता है तथा 15 million °C temp

(ii) विकिरण क्षेत्र – पराबैगनी किरणे निकलती है (Radioactive Waves) या संवहनीय क्षेत्र

(iii) प्रकाश मंडल (Photosphere) –

सूर्य का यहि भाग है जिसे हम अपनी नंगी आंखों से देख पाते है। इसका तापमान 5500°C से 6000°C होता है

– प्रकाश मंडल में ही सौर्य कलंक बनता है जिसका तापमान 1500°C होता है

– प्रकाश मंडल की मोटाई 300 km है

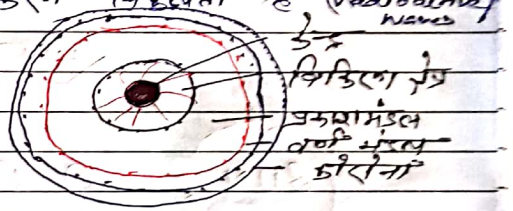

(iv) वर्ण मंडल (Cromosphere) –

यह भी प्रकाश मंडल की तरह होती है लेकिन यह पतली परत है तथा इसमे सौर्य लहरें उठती है जिसकी ऊंचाई सैकड़ों किलोमीटर होती है इसे स्पिक्यूल या सौर ज्वाला कहते है

(v) कोरोना / किरीट –

इस परत को हम सिर्फ सूर्य ग्रहण के दौरान ही रिंग की आकृति मे देखते है तथा इसे हम नंगी आंखों से नहीं देख सकते है

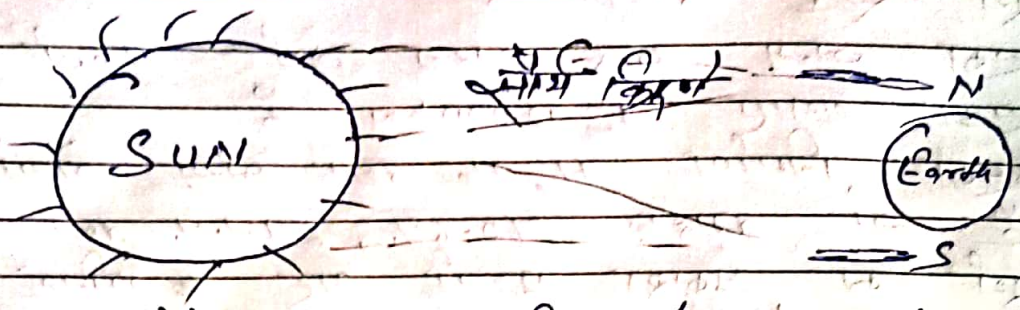

सौर किरणें जब पृथ्वी के वायुमंडल में जब प्रवेश करती है तो वह फुलझड़ी की तरह जलने लगती है और वह पृथ्वी के उत्तरी और दक्षिणी ध्रुव की ओर दिखती है जब वह उत्तरी ध्रुव पर दिखती है तो इसे अरोरा बोरियालिस तथा दक्षिणी ध्रुवों पर अरोरा आस्ट्रेलिस के नाम से जाना जाता है।

सौर परिवार

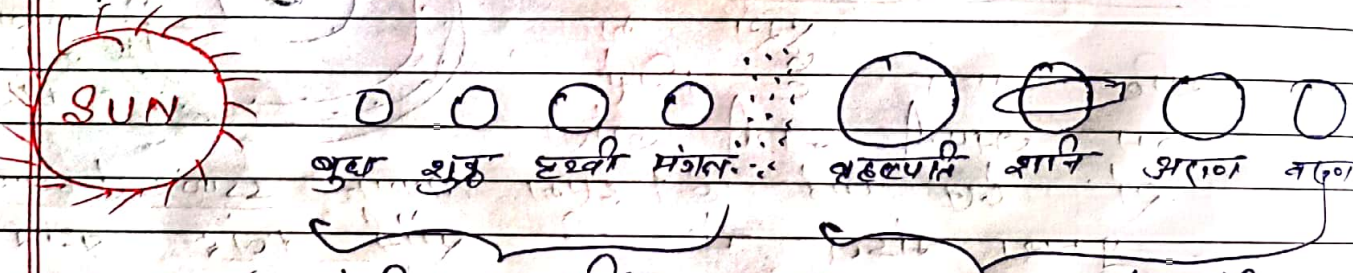

→ हमारे सौर परिवार का मुखिया सूर्य है

→ इस परिवार में आठ ग्रह इसके उपग्रह क्षुद्रग्रह, उल्का, धूमकेतु और खगोलीय धूल कण है।

ग्रह (Planet) — ग्रह वह खगोलीय पिण्ड है जो

(i) सूर्य के चारों तरफ एक निश्चित पथ पर परिक्रमा करता तथा वह किसी दूसरे ग्रह के पथ को काटता नहीं है।

(ii) वह अपने अक्ष पर घूर्णन करता है।

(iii) अपनी गुरुत्वाकर्षण शक्ति हो

Scanned with CamScanner

classmate
Date
Page

(15) स्वयं का प्रकाश न हो वो अपने निकटतम तारों के प्रकाश से प्रकाशित होते है

नोट - प्लूटो को 2006 में ग्रहों की श्रेणी से निकाल दिया गया क्योंकि वह दूसरे ग्रह के पथ को काटती थी।